ब्रिक्स @ 15: दृढ़ता के साथ निरंतरता

नमस्ते और ब्रिक्स इंडिया चेयरशिप 2021 की वेबसाइट पर आपका स्वागत है। इस साइट द्वारा दी गई जानकारी निश्चित रूप से ब्रिक्स और इसके विभिन्न कार्यकलापों के बारे में आपकी रुचि को बढ़ाएगी।

2021 में, भारत ने तीसरी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली है। हम 2020 में कोविड -19 की चुनौतियों के बावजूद ब्रिक्स के सफल संचालन के लिए रूस को बधाई देते हैं। हम अपने ब्रिक्स भागीदारों को आश्वस्त करते हैं कि भारत ब्रिक्स को और अधिक समसामयिककालीन और प्रभावी बनाने के लिए रूस द्वारा तैयार की गई इस नींव को और मजबूत करेगा।

ब्रिक्स समानता, आपसी समझ, विश्वास और सम्मान की भावना पर आधारित है। यह कई दीर्घकालिक चुनौतियों के लिए समावेशी और नये समाधान प्रदान करता है। न्यू डेवलपमेंट बैंक और कंटिनजेंट रिजर्व व्यवस्था अत्यधिक मजबूत अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग की पहचान है। लोगों के आपसी संबंधों के स्तर पर और संस्कृति से लेकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे क्षेत्रों में साथ-साथ चलने वाली गतिविधियों में भी गति आ चुकी हैं। पिछले डेढ़ दशक में ब्रिक्स ने इस समय के महत्वपूर्ण विचार-विमर्शों में अपनी छाप छोड़ी है।

ब्रिक्स की हमारी अध्यक्षता के दौरान, भारत निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में काम करेगा:

- संयुक्त राष्ट्र के प्रधान अंगों और आईएमएफ, डब्ल्यूएचओ, विश्व बैंक और डब्ल्यूटीओ जैसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार पर विशेष बल देते हुए ब्रिक्स सहयोग को बढ़ावा देना ताकि ये 21 वीं सदी की वास्तविकताओं और करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित कर सकें;

- एक कार्य योजना के माध्यम से 2020 में अंतिम रूप दी गई ब्रिक्स काउंटर टेररिज्म स्ट्रेटेजी का लाभ लेते हुए आतंकवाद के अभिशाप का मुकाबला करना, जो मानवता के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है;

- इंट्रा-ब्रिक्स सहयोग को और मजबूत बनाना जिसमें अन्य के साथ-साथ आईसीटी, जल, रिमोट सेंसिंग, सीमा शुल्क सहयोग, पारंपरिक चिकित्सा और डिजिटल स्वास्थ्य, लोगों से आपसी संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से संबंधित मामले शामिल हैं; और

- लोगों के बीच आपसी संबंध बढ़ाना, सांसदों थिंक टैंकों, अकादमिक मंचों, नागरिक मंचों, व्यापार परिषदों, महिला व्यापार अलायंस, युवा मंचों के बीच बैठकें,और खेल, फिल्म समारोहों जैसे कार्यक्रम।

हमारी टीम2021 में 100 से भी अधिक कार्यक्रमों वाले कैलेंडर को तैयार करने पर काम कर रहा है। हमें विश्वास है इनसे ब्रिक्स के सदस्यों के बीच सहयोग और गहन तथा विविधतापूर्ण होगा। आज जब विश्व का फोकस कोविड से उभरने पर है तो, भारत अपनी **आत्मनिर्भर भारत** पहल के माध्यम से अपना योगदान देगा। यह ब्रिक्स में और अधिक प्रभावी ढंग से काम करने की हमारी क्षमताओं को मजबूत करेगा।

हम सभी हितधारकों के समर्थन, भागीदारी और योगदान के साथ ब्रिक्स की रचनात्मक अध्यक्षता के लिए तैयार हैं।

इन साझे प्रयासों की प्रगति की जानकारी के लिए इस वेबसाइट को देखें।